



श्री हनुमान जी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की । दुष्टदलन रघुनाथ कला की ॥
 जाके बल से गिरिवर कांपै । रोग दोष जाके निकट न झांके ॥
 अंजनि पुत्र महा बल दाई । संतन के प्रभु सदा सहाई ॥
 दे बीरा रघुनाथ पठाये । लंका जारि सीय सुधि लाये ॥
 लंका सो कीटि समुद्र सी खाई । जात पवनसुत बार न लाई ॥
 लंका जारि असुर संहारे । सियाराम जी के काज संवारे ॥
 लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे । लाय सजीवन प्राण उबारे ॥
 पैठि पाताल तोरि जम कारे । अहिरावन की भुजा उखारे ॥
 बायै भुजा असुर दल मारे । दाहिने भुजा संत जन तारे ॥
 सुर नर मुनि जन आरती उतारे । जै जै जै हनुमान उचारे ॥
 कंचन थाल कपूर लौ छाई । आरती करत अंजना म ॥
 जो हनुमान जी की आरती गावै । बसि बैकुंठ परमपद पावै ॥


indif.com

Photos 3 comments

Tried this Pin?

Add a photo to show how it went

Add photo

Nina saved to Sanskrit

More like this



Rudra Hanuman Canvas Print
Redbubble



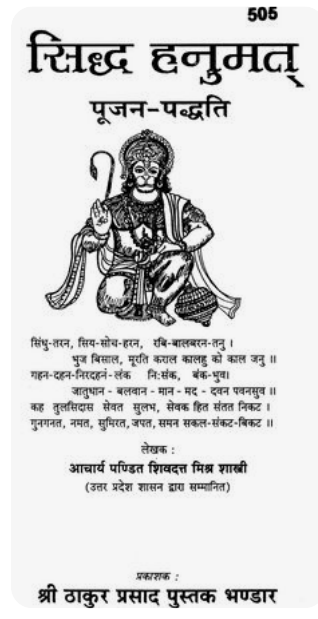
Experience all-inclusive luxury on
a 2022 Europe voyage



Promoted by
Seabourn



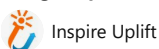
Hanuman Bajrang Baan, हनुमान
बजरंग बाण - Hanuman Stotra



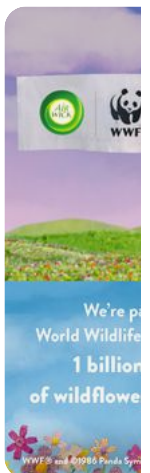
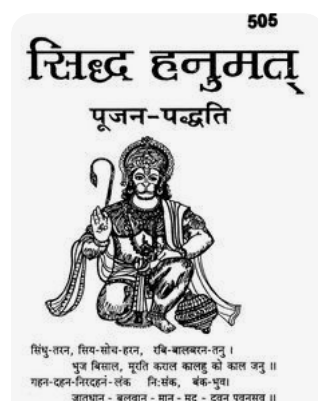
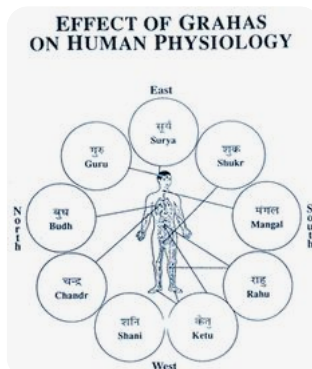
श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार
हनुमद् सिद्धि: How to Worship
Hanuman Ji



Plunger Opener Cleaner Kit

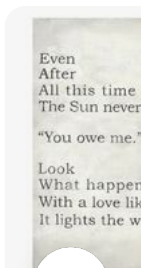


हिन्दी सुविचार Hindi quote,



Click to learn n
Air Wick® Sca
to reseed the N

Promote
Air Wick



Even After All this time
The Sun never

Information about 9 Planets |
Future Point



हनुमद् सिद्धि: How to Worship
Hanuman Ji

